केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 261 रविवार 20 अप्रैल 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

समाधान दिवस में 11 मामले निस्तारित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जिलाधिकारी के निर्देशन में शनिवार को तहसील रूधौली सभागार में उप जिलाधिकारी शाहिद अहमद की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र लेकर आने वाले शिकायतकर्ता की विभिन्न समस्याओं को उन्होने सुना और संबंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं का निराकरण समयान्तर्गत व गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाय।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 52 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें से 11 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व के 24, विकास के 02, पुलिस के 09, विद्युत के 06, पूर्ति के 08 तथा नहर, नगरपंचायत व जलनिगम के 1–1 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीएमओ डा. राजीव निगम, डीपीआरओ रतन कुमार, अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4 राकेश कुमार गौतम, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, डीएचओ अरूण कुमार त्रिपाठी सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण व तहसीलदार उपस्थित रहें।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से स्कूटी सवार की मौत: एक घायल

—भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। शहर कोतवाली के बड़ेवन चौकी क्षेत्र में कटरा पानी टंकी के पास ट्रैक्टर की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रभारी कोतवाल ने बताया कि ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया गया है। मुकदमा दर्ज कर उचित कार्रवाई की जा रही है। मृतक संतकबीरनगर के रिठिया बाजार निवासी नीरज (25) बस्ती शहर में रहकर एक ऑटो पार्ट्स की दुकान पर काम करता था। शुक्रवार की देर रात हुए नीरज और विनय कुमार गौतम पुत्र आरके गौतम आवास विकास कॉलोनी एक साथ स्कूटी से कटरा पानी की टंकी के पास से गुजर रहे थे। तभी एक ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों का गंभीर रूप से घायल हो गए। कोतवाली पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल भिजवाया। जहां एक को चिकित्सा ने नीरज को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे को गंभीर चोट आई है।

ममता बनर्जी का पुतला फूंका

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने पश्चिम बंगाल की स्थिति को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने शास्त्री चौक पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंका और कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

राष्ट्रपति को भेजे गए ज्ञापन में कहा गया कि मुर्शिदाबाद से शुरू हुई हिंसा अब पूरे बंगाल में फैल चुकी है। मुस्लिम भीड़ द्वारा हिंदुओं के घरों और दुकानों को निशाना बनाया गया है। सैकड़ों परिवार पलायन करने को मजबूर हुए हैं। कई नागरिकों की हत्या की गई है। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और बड़े पैमाने पर लूटपाट की घटनाएं सामने आई हैं।

संगठनों का आरोप है कि ममता सरकार दंगाइयों के प्रति नरम रवैया अपना रही है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को समर्थन देकर राज्य की सुरक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है। ज्ञापन में राष्ट्रपति से कई मांगें की गई हैं। इनमें राज्य में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाने, हिंसा की जांच एनआईए से कराने और कानून व्यवस्था केंद्रीय बलों को सौंपने की मांग शामिल है। इसके साथ ही घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें बाहर निकालने और भारत–बांग्लादेश सीमा पर तारबंदी की मांग भी की गई है। प्रदर्शन में विहिप के प्रांतीय मंत्री कुंवर नागेंद्र प्रताप सिंह, गोपेश पाल, श्रद्धेय पाल, विजय सिंह रावत, धर्मेंद्र चौरसिया और दुर्गा वाहिनी की संयोजक रजनी चौधरी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

दंगा नहीं, विकास से होती है यूपी की चर्चा

संवाददाता– गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर को बड़ी सौगात दी। शनिवार को मानबेला मैदान पर आयोजित लोकार्पण–शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने 1500 करोड़ रुपये की 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले समाज को जाति, मत, मजहब के नाम पर बांटने वाली ताकतों ने यूपी का विकास करने की बजाय खुद का और परिवार का

विकास किया। परिवार तक सिमटी ये ताकतें समाज को बांटने के लिए दंगा कराती थीं। डबल इंजन सरकार आने के साथ यूपी आठ साल से माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त हो चुका है। यूपी की चर्चा अब सिर्फ विकास के लिए होती है।

सीएम ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं होता है। जो विकास नहीं करा पाते, वे जाति, मत, भाषा, क्षेत्र, मजहब के नाम पर सामाजिक तानेबाने को छिन्न भिन्न कर समाज के सौहार्द को बिगाड़ने का काम करते हैं। मौका मिलने पर ऐसे लोग स्वयं और अपने परिवार के विकास के लिए कार्य करते हैं, जनता की भलाई के लिए कोई प्रयास नहीं करते हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों को 2014 के पूर्व के भारत और 2017 के पूर्व के उत्तर प्रदेश की याद दिलाते हुए कहा कि तब भारत भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था। देश की सुरक्षा के लिए नक्सलवाद और आतंकवाद की चुनौती थी। दस वर्षों में सबने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत को भी देखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी भी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के रूप में अपनी आभा बिखेर रहा है। आठ वर्षों में बदलते परिवेश और परिवर्तन को सभी लोगों ने देखा है। यहां अन्नदाता किसानों को सम्मान मिल रहा है। यहां नारी गरिमा और सुरक्षा की गारंटी है।

उद्योग व्यापार एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष बने सिद्धेश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व सभासद सिद्धेश सिन्हा को विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव आनन्द जायसवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सिंह रघुवंशी की संस्तुति पर प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। सिद्धेश सिन्हा ने कहा कि व्यापारी समस्याओं के निस्तारण की दिशा में एसोसिएशन के नीति, कार्यक्रम के अनुरूप प्रभावी कदम उठाये जायेंगे।

सिद्धेश सिन्हा को विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा, महेश शुक्ल, ओमप्रकाश ठाकुर,जगदीश शुक्ला, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, कुंदन लाल वर्मा, आशीष उर्फ कल्लू स्वामी ,विवेकानंद शुक्ला, जानू गुप्ता ,मोहित, प्रमोद पाण्डेय, अनिल दुबे दिलीप पाण्डेय, रामकुमार ,दीपू तिवारी ,ओंकार जायसवाल, विनोद चौरसिया, विक्की मोदनवाल, राजेंद्र प्रसाद गौड़, जगदीश अग्रहरि, राधेश्याम कमलापुरी, धर्मराज गुप्ता अभिषेक गौतम, रामकुमार शुक्ला, आलोक पाण्डेय, दीपक गुप्ता अनिल भारती, विकास, अरुण सिंह, प्रमोद गुप्ता, रोहन गुप्ता के साथ ही भाजपा और अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

बसपा ने किया दलित युवक मदनलाल हत्याकाण्ड के उच्चस्तरीय जांच की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने शनिवार को एक प्रतिनिधि मण्डल के साथ सीओ सदर से वार्ता कर मांग किया कि मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के जोगिया गांव में गत 29 जनवरी 2025 को मदनलाल के संदिग्ध मामलों में उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर न्याय दिलाया जाय।

बसपा अध्यक्ष अनिल कुमार ने एसपी को सम्बोधित पत्र देते हुये बताया कि मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के जोगिया निवासी अनुसूचित जाति दलित चन्द्रिका प्रसाद का छोटा पुत्र 19 वर्षीय मदनलाल गत 29 जनवरी 2025 को सामान खरीदने बाजार गया था, काफी खोजबीन के बाद 30 जनवरी को गडही के कीचड में उसकी लाश बरामद हुई। ऐसा लगता है कि रूपया छीनकर किसी ने मदनलाल की हत्या कर दिया और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से गड़ही में पानी भर दिया। मदनलाल की हत्या के खुलासे की मांग को लेकर बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल भी जोगिया गांव पहुंचे और परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया था। अनेकों प्रार्थना पत्र देने के बावजूद अभी तक मुण्डेरवा पुलिस ने मदनलाल की हत्या मामले में कोई कार्रवाई नहीं किया। मांग किया कि उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

बसपा अध्यक्ष अनिल कुमार, मुख्य मण्डल प्रभारी धर्मदेव प्रियदर्शी ने कहा कि यदि मुण्डेरवा पुलिस ने दलित मदनलाल की हत्या का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार कर जेल न भेजा तो बसपा का संघर्ष न्याय मिलने तक अनवरत जारी रहेगा।

प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से सीताराम शास्त्री, संजय धूसिया, अभिषेक कुमार गौतम, श्याम भवन, रामचेत 'निराला', चन्द्रिका प्रसाद, रामरती, चांदनी गौतम आदि शामिल रहे।

खोया पाया शिविर का समापन: 100 से अधिक बिछड़ों को अपनों से मिलाया

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । लालगंज स्थित कुंआनों, मनवर संगम तट पर लगने वाले विशाल मेले में समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा अध्यक्ष जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में खोया पाया शिविर का आयोजन किया गया। पांच दिनों तक चले शिविर में 100 से अधिक बिछडों को उनके परिजनों से मिलाया गया।

शिविर का समापन करते हुये डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि कुंआनों के संगम लालगंज का मेला ऐतिहासिक है। यहां मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम ने विश्राम किया था। जनपद के विभिन्न मेलों में समाजसेवी जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा पिछले 34 वर्षो से खोया पाया शिविर का लगाया जाना सेवा का बडा उदाहरण है। कहा कि मेले में बिछड़ों को अपनों से मिलाना पुनीत कार्य है।

समाजसेवी कृष्णदेव गोस्वामी ने कहा कि मेले में खोया पाया शिविर का संचालन बड़ी समाजसेवा है। पांच दिनों तक चलने वाला शिविर निश्चित रूप से बेहद उपयोगी रहता है। खोया पाया शिरि की भूमिका महत्वपूर्ण है। पूर्व प्रमुख गोस्वामी कुमकुम भारती ने कहा कि जब से यहां शिविर शुरू हुआ है मेले में आने वाले लोगों को विशेष सुविधा हुई है।

अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये आयोजक जय प्रकाश गोस्वामी ने कहा कि समिति की ओर से प्रति वर्ष मेले में शिविर लगाकर खोये बच्चों को उनके परिजनों से मिलवाया जाता है।

खोया पाया शिविर के समापन अवसर पर मुख्य रूप से ब्लाक प्रमुख अनिल दूबे, अरन्दि पाल, रघुनाथ सिंह, सिद्धार्थ शंकर मिश्र, अमित सिंह, राजन पाल, रामकेश चौधरी, सन्तोष पाल, रामअधार पाल, अमित चौबे, डा. राम प्रताप शुक्ल, सूर्यप्रकाश शुक्ल, विपिन श्रीवास्तव, रामायण सिंह, रविशंकर शुक्ल, हेमन्त मिश्र, रविचन्द, विनोद पाण्डेय, बब्लू दूबे, विजय मिश्रा, ई. के.सी. पटेल, कामेश्वर चौधरी, अमित शुक्ल, मुक्तेश्वर यादव, जितेन्द्र यदव, अच्युतानन्द मिश्र, अमृत वर्मा, पिकूं पाल, बब्लू गुप्ता, विवेक मिश्र के साथ ही अनेक लोगों ने योगदान दिया.

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पदाधिकारियों को दिलाया शपथ

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

—दायित्वों पर खरा उतरें पत्रकार—डा. वी.के. वर्मा

बस्ती। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन उत्तर प्रदेश के बस्ती शाखा के पदाधिकारियों और सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह और परिचय पत्र का वितरण जिलाध्यक्ष डा. वी0के0 वर्मा के संयोजन में किया गया। डा. वर्मा ने कहा कि पत्रकारों के पास यूनियन का परिचय पत्र होना आवश्यक है जिससे वे अपने दायित्वों का पालन निष्ठापूर्वक कर सके। पदाधिकारियों ने जो शपथ लिया है उसका पालन करें जिससे पत्रकारिता की गौरव गरिमा बनी रहे। पत्रकारिता के अपने दायित्व हैं, पत्रकारों को इस भूमिका पर खरा उतरना होगा। वे इस क्षेत्र की पवित्रता और विश्वास को बचाये बनाये रखने में योगदान दें।पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराते हुये प्रभारी जिला सूचना अधिकारी अवधेन्द्र वर्मा ने कहा कि पत्रकारों का दायित्व विशेष महत्वपूर्ण है।

जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा, संरक्षक डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' राकेश गिरी महामंत्री, जितेन्द्र यादव 'जीत' कोषाध्यक्ष, अरूण कुमार, अजय श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, , रितिक कुमार सचिव और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राजेश कुमार पाण्डेय , सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, राकेश त्रिपाठी, बबुन्दर यादव, लवकुश यादव, अमन खान, सरताज आलम, दीपक द्विवेदी, देवेन्द्र पाण्डेय, श्रीप्रकाश श्रीवास्तव आदि को शपथ दिलाया गया।

संरक्षक डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग', प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने कहा कि ज्ञान पत्रकारिता की आवश्यक शर्त है। निरन्तर अध्ययन आवश्यक है।

जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि पत्रकारों की समस्याओं का प्रमुखता से समाधान कराया जाय। कार्यक्रम में लवकुश सिंह, राकेश तिवारी, राजेन्द्र उपाध्याय, राम विलास कसौधन, फैय्याज, अनिल कुमार श्रीवास्तव, श्री प्रकाश गुप्ता, मो. कलीम, मो. रिजवान, सुमित जायसवाल, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, कपीश मिश्र, अनूप मिश्र, आशुतोष नारायण मिश्र, शिवेश शुक्ल, जितेन्द्र कुमार, महेन्द्र प्रताप सिंह, अमर सोनी, अनिल पाण्डेय, अखिलेश कुमार यादव, शकील खान, सन्तोष कुमार, मो. आलम, दिनेश मिश्र, डा. हेमन्त पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार, जय प्रकाश गोस्वामी, इन्द्रभूषण, राम वेलास आदि उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमा से बाहर जा रहा है-निशिकांत

नई दिल्ली (आभा)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को विवादित बयान देते हुए कहा है कि इस देश में जितने भी गृह युद्ध हो रहे हैं, उसके जिम्मेदार सिर्फ चीफ जस्टिस संजीव खन्ना हैं। राष्ट्रपति और राज्यपाल को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले पर भी निशिकांत दुबे ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट से ही सारे कानून बनेंगे तो संसद के दरवाजे बंद कर दिए जाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमा से बाहर जा रहा है और देश में धार्मिक युद्ध भड़काने का भी जिम्मेदार वही है।

निशिकांत दुबे ने कहा, हम जो कानून बनाते हैं, वह लोअर कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक लागू है। सभी कानून बनाने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति, राज्यपाल से कह रहा है कि तीन महीने में क्या काम करना है।

बसपा के मण्डल स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । बहुजन समाज पार्टी की मण्डल स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बूथ स्तर पर सांगठनिक मजबूती, युवाओं को जोड़े जाने पर जोर दिया गया।

समीक्षा बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये मुख्य मण्डल प्रभारी पूर्व एम.एल. सी. डा. विजय प्रताप ने कहा कि आगामी 2027 का चुनाव बसपा बहन मायावती के नेतृत्व में पूरी मजबूती से लड़ेगी। इसके लिये संगठन का बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत होना जरूरी है।

कहा कि बसपा सर्व समाज को साथ लेकर आगे बढ रही है। विशिष्ट अतिथि मुख्य मण्डल प्रभारी धर्मदेव प्रियदर्शी, पूर्व विधायक भगवानदास, सीताराम शास्त्री, पूर्व एम.एल.सी. लालचंद निषाद, आदि ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने उपस्थित नेताओं, कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि बैठक में जो महत्वपूर्ण सुझाव आये हैं उसका जमीनी धरातल पर तेजी के साथ क्रियान्वयन कराया जायेगा।

बसपा के मण्डल स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से संजय धूसिया, अमित चौधरी, शिवशंकर चौधरी 'शाका', विनय अम्बेडकर, तालिब अली उर्फ शब्बू, भरतलाल निषाद, झिनकान गौतम, अभिषेक, रामचेत निराला, बनवारीलाल कन्नौजिया, राम सागर प्रधान, नवमी प्रसाद, उमाशंकर गौतम, राजीव राव, प्रदीप कुमार गौतम, शिव कुमार, देशराज गौतम, कृपाशंकर गौतम, राजेन्द्र आजाद, राजेन्द्र गौतम, रामफेर, रामचन्द्र, जुगुल किशोर चौधरी, अनूप कुमार, राम सरोज, ई. राजेन्द्र प्रसाद, प्रिन्स कुमार, सरयू प्रसाद, राजेश गौतम, शिवम, अनिल आजाद, बृजेश, अरविन्द आर्य, पट्टूराम, आशीष कुमार, अलीम, दीपक के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

दबंगों द्वारा जमीन पर जबरिया कब्जे की कोशिश: डीएम को सौंपा ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । शनिवार को आजाद समाज पार्टी ' कांशीराम' के जिलाध्यक्ष अजय कुमार, पूर्व मण्डल महासचिव आशुतोष भारती ने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि कलवारी थाना क्षेत्र के गायघाट गांव में अनुसूचित जाति की भूमि गाटा संख्या 706 में भू–माफिया और दबंगों द्वारा किये जा रहे कब्जे को रोकवाया जाय।

डीएम को सम्बोधित ज्ञापन में कहा गया है कि कलवारी थाना क्षेत्र के गायघाट गांव में अनुसूचित जाति की भूमि गाटा संख्या 706 में दलित सुरेन्द्र आदि सह खातेदार मकान और सहन बनाकर निवास कर रहे हैं। इस भूमि पर लालगंज थाना क्षेत्र के कड़सरी निवासी भू माफिया दबंग महेश्वर सिंह पुत्र राम आसरे सिहं, अरमान अली ग्राम गायघाट थाना–कलवारी और 4 से 6 अन्य लोग उनकी भूमि पर जबरिया कब्जा कर लेने की धमकी दे रहे हैं। उक्त लोग थानाध्यक्ष कलवारी और चौकी इन्चार्ज गायघाट के द्वारा जबरिया सुलह कराना चाहते थे, न मानने पर मुकदमा लिखकर दलित सुरेन्द्र को जेल भेज दिया गया। जमानत पर छूट कर आने के बाद उसे दबंगों से लगातार धमकियां मिल रही हैं।

ज्ञापन देने के बाद आजाद समाज पार्टी ' कांशीराम' के जिलाध्यक्ष अजय कुमार, युवा मोर्चा जिला प्रभारी रामकेश भारती ने कहा कि गाटा संख्या 706 में अवैध तरीके से कब्जे की कोशिश रोका जाय वरना पार्टी संघर्ष करने को बाध्य होगी। इसी कड़ी में डीएम को सौपे एक अन्य ज्ञापन में पार्टी के युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अमित कुमार ने कलवारी थाना क्षेत्र के भैसहटी गांव के गाटा संख्या 282, 290 चक मार्ग पर अवैध कब्जा हटवाकर सड़क निर्माण कराये जाने की मांग किया गया।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से सुनील, अनिल कुमार कन्नौजिया, सत्य प्रकाश राव, शशिकला, झिनका देवी, बलजीत कन्नौजिया, राम जनम चौधरी, अखिलेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार, सावर गौतम, सुधाकर प्रताप, पंकज, मिट्टू, अंजू देवी, सुभावती बौद्ध, लक्ष्मी देवी, मंजू देवी, परमधारी, प्रिन्स भाष्कर, राजन आर्य, बी.के. आर्य के साथ ही पीड़ित परिवारों के लोग और पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

जयन्ती पर याद किये गये चक्रवती सम्राट महापद्मानंद, बाबा साहेब

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शनिवार को ऑल इण्डिया महापदमानन्द कम्युनिटी एजूकेटेड एसोशिएसन द्वारा हर्रैया विकास खण्ड के ग्रामसभा महादेवा में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मण्डल महासचिव एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नन्दबंशी के संयोजन में नन्दबंश के संस्थापक महाराज पदमानन्द और बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी विकास पटेल, प्रदेश अध्यक्ष ओमवीर वर्मा, मौलिक अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. शास्त्री, ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि नन्द वंश की स्थापना चक्रवती "सम्राट महापद्मानंद" के द्वारा की गई थी। उनका साम्राज्य कलिंग (वर्तमान ओडिशा) से शुरू होकर गंगा की सीमाओं के पार तक फैला हुआ था। नंद वंश के प्रथम शासक महापद्मनंद को "केंद्रीय शासन पद्धति" का जनक भी कहा जाता है। इनका संबंध नाई जाति से था। उनका विशेष योगदान है। वक्ताओं ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर ने कठिन समय में समाज को दिशा दिया। दोनों महापुरूषों की भूमिका सदैव याद की जायेगी।

कार्यक्रम संयोजक ठाकुर प्रेम नन्दबंशी ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुये कहा कि नन्द वंश मगध पर शासन करने वाला पाँचवा राजवंश था। नंदवंश की नींव 344 ईसा पूर्व में "महापद्मानंद" द्वारा रखी गई थी। महापद्मानंद का संबंध नाई जाति से था। इतिहासकारों ने इन्हें कई उपाधियाँ प्रदान की हैं जिनमे से "एकारट" और "सर्वक्षत्रांतक" प्रमुख हैं। कहा कि बाबा साहेब ने इस परम्परा को आगे विकसित किया। संचालन शिवशंकर गौतम ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्याम बिहारी, डा. हरिकेश नन्दबंशी, बुद्धप्रिय पासवान, हृदयराम, कैलाशनाथ, गंगा प्रसाद कन्नौजिया, राम पियारे कन्नौजिया, हरिशंकर चौधरी, रामू प्रसाद, अशोक शर्मा, शुभ नरायन, राम सुमेर यादव, शोभाराम ठाकुर, डा. जे.पी. सेन, घनश्याम शर्मा, धीरज नन्दबंशी, राहुल नन्दबंशी, आलोक ठाकुर, बुद्धेश राना, बाबा ठाकुर, राम किशोर ठाकुर, बब्लू शर्मा, विजय शर्मा, उमाशंकर शर्मा, नन्दकिशोर उर्फ भोला शर्मा, चन्द्र प्रकाश गौतम, अवधेश ठाकुर, राम औतार पासवान के साथ ही अनेक संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 अप्रैल 2025 रविवार

सम्पादकीय

विदेशों में पढाई से होता मोह भंग

यह खबर चौंकाने वाली है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है। जबकि अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़–पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां–बाप खून–पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। कहीं–कहीं तो खेत बेचकर और घर गिरवी रखकर बच्चों को विदेश पढ़ाने के लिए भेजने के मामले भी प्रकाश में आए। दरअसल, देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिये विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा–अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ फीसदी था। जरूरी नहीं था कि ये सारे छात्र मेधावी थे और सब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में दाखिला पा रहे थे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो सिर्फ विदेशी छात्रों से कमाई करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। दरअसल, धीरे–धीरे छात्रों और उनके अभिभावकों को हकीकत का अहसास होता चला गया। उन्होंने महसूस किया कि वे मोटा पैसा खर्च करके जैसे–तैसे डिग्री तो पा सकते हैं, लेकिन ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। हां, कुछ छात्र किसी तरह छोटे–मोटे काम–धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे।

दरअसल, धीरे–धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी। इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, इन देशों के गोरी चमड़ी वाले लोगों के भारतीयों पर बढ़े हमलों ने छात्रों में मोहभंग की स्थिति उत्पन्न कर दी। बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया। वैसे देखा जाए तो विदेशी मुद्रा अर्जित करने के बजाय हम हर साल अरबों रुपये इन देशों को भेज रहे थे। दूसरी ओर छात्रों के विदेश जाने के मोहभंग होने का सार्थक पहलू यह भी है कि अब ये प्रतिभाएं देश में रहकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकती हैं। कुदरत का नियम है कि अपनी उर्वरा भूमि में ही पौधे अनुकूल वातावरण के चलते खिलते–निखरते हैं। ये हमारे नीति–नियंताओं की विफलता है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश को अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाले विश्वविद्यालय नहीं दे पाये। सामान्य शिक्षा में कौशल विकास के गुण को विकसित नहीं कर पाए। छात्रों में सरकारी नौकरियां पाने की लालसा को रचनात्मक विकल्प नहीं दे पाये। अमेरिका की सिलिकॉन वैली से लेकर आईटी से जुड़ी तमाम बड़ी कंपनियों को भारतीय प्रतिभाएं चला रही हैं। आखिर क्यों हम भारतीय मेधाओं को देश में ऐसा वातावरण नहीं दे पा रहे हैं, कि वे नई खोजों व अनुसंधान से देश को लाभान्वित कर सकें। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं वाला देश है। यदि हम उनकी क्षमता,योग्यता और प्रतिभा का बेहतर उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, तो यह हमारी बड़ी नाकामी है। देश के सत्ताधीशों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि क्यों छात्रों में विदेश जाने की होड़ लगी रहती थी। छात्रों को अनुकूल वातावरण देकर ही विकसित भारत के संकल्प पूरे हो सकते हैं।

मनरेगा का सशक्तिकरण समय की मांग

— ललित गर्ग—

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) के तहत प्रदान किए जाने वाले काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 दिन करने समेत श्रमिकों के दैनिक पारिश्रमिक को कम से कम 400 रुपये निर्धारित करने की सिफारिश की है, इन सिफारिशों से न केवल यह योजना अधिक सशक्त एवं प्रभावी होकर ग्रामीण जनजीवन के कमजोर लोगों के लिये राहत का माध्यम बनेगी, बल्कि ग्रामीण जीवन को नये भारत की बुनियाद बनायेगी। मनरेगा भारत सरकार द्वारा ग्रामीण गरीब एवं कमजोर लोगों के लिए उठाया गया एक क्रांतिकारी कदम है और वर्तमान में यह भारत में सबसे बड़ा स्व–लक्ष्यीकरण कार्यक्रम है। यह सामाजिक सुरक्षा, आजीविका सुरक्षा और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण के माध्यम से ग्रामीण भारत में समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावशाली साधन है। जो नये भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत का आधार होगा।

मनरेगा में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक अंकेक्षण और शिकायत निवारण तंत्र की व्यवस्था है, बावजूद मनरेगा में भी भ्रष्टाचार, अफसरशाही, अनियमितता, कोताही के कारण इस महत योजना पर भी समय–समय अंधेरा छाता रहा है। यों तो गिरावट हर स्तर पर है। समस्याएं भी अनेक मुखरित हैं पर राष्ट्रीय चरित्र को विघटित करने वाले भ्रष्टाचार एवं अनियमितता की काली छाया मनरेगा पर न पड़े, इसलिये स्थायी समिति का यह सुझाव स्वागतयोग्य है कि श्रमिकों की संतुष्टि, वेतन में देरी, भागीदारी के रुझान और योजना में वित्तीय अनियमितताओं पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। इसीलिये समिति ने मनरेगा से जुड़े कार्यक्रम की कमियों के बारे में अहम जानकारी प्राप्त करने और मनरेगा की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए आवश्यक नीतिगत सुधारों को लागू करने के लिए देशभर में स्वतंत्र एवं पारदर्शी सर्वेक्षण की सिफारिश की है। समिति ने उभरती चुनौतियों के मद्देनजर योजना को नया रूप देने पर भी जोर दिया है। मनरेगा बदलते वक्त और उभरती चुनौतियों के बावजूद आज भी प्रासंगिक है।

मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करता है, जिससे लोगों को आय प्राप्त होती है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है, यह योजना टिकाऊ संपत्तियां जैसे सड़क, नहर, तालाब, कुएं बनाने पर जोर देती है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास में योगदान करती हैं। भारत आज भी गांवों का देश है, विकास की गंगा गांवों से होकर ही निकलती है। मनरेगा ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को बढ़ाता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां अन्य रोजगार के अवसर सीमित हैं, यह श्रम शक्ति के सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है। यह योजना ग्रामीण महिलाओं को रोजगार प्रदान करती है, जिससे वे सशक्त हो पाती हैं और समाज में सक्रिय भूमिका निभा पाती हैं। यदि किसी व्यक्ति को मनरेगा के तहत 15 दिनों के भीतर काम नहीं मिलता है, तो उन्हें बेरोजगारी भत्ता दिया जाता है, जो एक सुरक्षा जाल के रूप में कार्य करता है।

मनरेगा एक बहुआयामी योजना है, जिसके तहत विभिन्न उत्पादक परिसंपत्तियों का निर्माण किया जाता है, जैसे कि जल संरक्षण संरचनाएं, ग्रामीण सड़कें, और अन्य बुनियादी ढाँचे की परियोजनाएं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती हैं। मनरेगा के तहत रोजगार एक कानूनी अधिकार है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को रोजगार का दावा करने का अधिकार है। इस दूरगामी एवं ग्रामीण जनजीवन के उन्नयन एवं उत्थान के कार्यक्रम के लागू होने के बाद लाखों मजदूरों को काम मिला है। पलायन में काफी हद तक कमी आई। मनरेगा ने साबित किया कि भारत में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए वह आज भी उम्मीद की किरण है। इस कार्यक्रम से लाखों अकुशल श्रमिकों और महिलाओं को पूरे वर्ष में सौ दिन के रोजगार की गारंटी मिली। इससे बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार लाभान्वित हुए। यही वजह है कि इस कार्यक्रम में काम के दिन बढ़ाने की मांग अक्सर उठती रही है। अब संसद की स्थायी समिति ने भी मनरेगा पर भरोसा जताते हुए काम के दिनों की संख्या बढ़ा कर पांच महीने यानी डेढ़ सौ दिन करने और दैनिक पारिश्रमिक कम से कम चार सौ रुपए करने की सिफारिश की है, जो प्रासंगिक एवं बढ़ती महंगाई को देखते हुए जरूरी है। दरअसल, अभी इस कार्यक्रम के तहत मिलने वाली मजदूरी न्यूनतम जरूरतें एवं बुनियादी दैनिक खर्चों को पूरा करने के लिए भी अपर्याप्त हैं। मजदूरी वर्तमान आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप हों और ग्रामीण श्रमिकों को सम्मानजनक पारिश्रमिक प्रदान करें। रोजगार योजना के लिए आबंटित राशि में लंबे समय से ठहराव पर समिति की चिंता इसी संदर्भ में है। कोई दो राय नहीं कि इसकी राशि बढ़ने से इसकी प्रभावशीलता बढ़ेगी।

समिति ने कहा, बदलते समय और उभरती चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए योजना में सुधार की आवश्यकता है। समिति मंत्रालय से उन विकल्पों पर विचार करने का आग्रह करती है, जिससे मनरेगा अधिक सशक्त, पारदर्शी एवं प्रभावी बन सके। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ग्रामीण विकास योजना को बल देने में सहायक है। हालांकि मनरेगा निरन्तर सवालों से घिरी रही है, इसमें वित्तीय अनियमितता की भी शिकायतें मिलती रही हैं। इसके प्रति श्रमिकों का रुझान घटने और मजदूरी देर से मिलने पर सवाल उठते रहे हैं। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने तीन साल पहले मनरेगा का विश्लेषण करते हुए कई सुझाव दिए थे। तब उस समिति ने भी इस कार्यक्रम को नया रूप देने के लिए काम के गारंटीशुदा दिनों को सौ से बढ़ा कर डेढ़ सौ करने की सिफारिश की थी और सभी राज्यों में समान मजदूरी दर करने का सुझाव दिया था। अब संसद की समिति ने उन सुझावों पर एक तरह से मुहर लगाई है। अगर मनरेगा में नीतिगत सुधारों को लागू करने के लिए स्वतंत्र और पारदर्शी सर्वेक्षण होगा, तो इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

मनरेगा ने अपनी तार्किक सार्थकता साबित की है, लेकिन अभी इसमें व्यापक सुधारों की अपेक्षा है। देखने में आ रहा है मनरेगा से लाभान्वित लोगों को अक्सर बिना काम के ही राशि दी जा रही है, सरकार को इन लोगों की श्रम–शक्ति को देश–विकास के कार्यों में नियोजित करने पर भी ध्यान देना चाहिए। मनरेगा योजना के अन्तर्गत कौशल विकास पर बल दिया जाना चाहिए। योजना भले ही अकुशल श्रमिकों के लिए अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है, लेकिन उन्हें अपने कौशल को विकसित करने और बढ़ाने का अवसर मिलने से यह योजना देश–विकास का माध्यम बन सकती है। वनीकरण, जल संरक्षण और सड़क निर्माण जैसी विभिन्न परियोजनाओं में उनकी भागीदारी से श्रमिकों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। वे नए कौशल सीख सकते हैं जिनका उपयोग मनरेगा द्वारा प्रदान किए जाने वाले भविष्य के रोजगार अवसरों के लिए किया जाएगा। मनरेगा योजना सड़कों, नहरों, तालाबों और सिंचाई सुविधाओं जैसी परिसंपत्तियों के विकास का समर्थन करते हुए रोजगार प्रदान करें, इस योजना को कनेक्टिविटी, कृषि उत्पादकता, वन–विकास से भी जोड़ा जाना चाहिए ताकि प्राकृतिक संसाधनों को बचाने, पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मदद मिल सके। जिससे ग्रामीण जीवन में नए मनुष्य का जन्म होगा। नई पात्रता का निर्माण होगा, जहां हमारी ग्रामीण संस्कृति पुनः अपने मूल्यों, विरासत एवं उपयोगिता के साथ प्रतिष्ठापित होगी।

मनरेगा योजना अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) सहित समाज के हाशिए पर पड़े समूहों को समान पहुँच प्रदान करने पर केंद्रित है। यह सुनिश्चित करता है कि इन कमजोर समूहों को रोजगार तक समान पहुँच मिले और उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव न हो। ताकि एक संतुलित, समानतामूलक एवं आदर्श समाज–व्यवस्था को आकार दिया जा सके। मनरेगा योजना ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन, कौशल संवर्धन और पर्यावरणीय स्थिरता में महत्वपूर्ण आयाम बनकर सामने आये। तभी ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाने और भारत में ग्रामीण क्षेत्रों के व्यापक विकास को अवतरित करने का सूरज उदित हो सकेगा।

पाकिस्तान के नफरत की मानसिकता

—अजय कुमार—

1947 में पाकिस्तान की बुनियाद हिन्दुओं से नफरत के कारण पड़ी थी। आज करीब 77 वर्षो के बाद भी पाकिस्तान हिन्दुओं के प्रति ऐसा ही रवैया लेकर आगे बढ़ रहा है। पाकिस्तान में जितने भी प्रधानमंत्री या सेना प्रमुख हुए वह भारत के खिलाफ हमेशा जहर उगलते और आतंकवादियों को संरक्षण देते रहें। आज भी यह सिलसिला जारी है। इसी परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए पाक की फौजी हुकूमत एक बार फिर पुराना राग अलाप रही है। इस्लामाबाद में हाल ही में हुए प्रवासी पाकिस्तानियों के सम्मेलन में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने कश्मीर के मुद्दे पर उकसाने वाले बयान दिए, जिनसे न केवल क्षेत्रीय शांति को नुकसान हुआ है, बल्कि यह भी साफ हो गया कि पाकिस्तान की सत्ता संरचना अब भी नफरत और विघटन की राजनीति को अपनी ताकत मानती है। मौजूदा जनरल मुनीर का हाल ही में दिया गया बयान, जिसमें उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की श्गले की नसश बताया,ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पाकिस्तान की सोच में कोई बदलाव नहीं आया है। यही सब पिछले कई दशकों से पाकिस्तान की फौजी हुकूमत द्वारा लगातार दोहराया जाता रहा है। पाकिस्तान के जनरल यह हमेशा कहते रहे हैं कि कश्मीर पाकिस्तान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इसे कभी भी पाकिस्तान से अलग नहीं होने दिया जाएगा। लेकिन क्या इस विचारधारा ने पाकिस्तान को किसी प्रकार का लाभ पहुंचाया है? पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था जर्जर हो चुकी है, आतंकवाद की पोषक छवि बन चुकी है और वैश्विक मंच पर वह अलग–थलग पड़ा हुआ है।

पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति किसी से छिपी नहीं है। इन्हीं हरकतों के कारण वह आर्थिक रूप से कमजोर होता जा रहा है। आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार 2025 के शुरुआती महीनों में पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार महज 3.1 अरब डॉलर था, जो मुश्किल से कुछ हफ्तों का आयात खर्च चला सकता है। महंगाई दर 30 प्रतिशत के पार जा चुकी है, बेरोजगारी करीब नौ प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और जनता राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता से त्रस्त है। ऐसे में पाकिस्तान की फौजी हुकूमत का इस प्रकार का उकसावे भरा बयान यह दर्शाता है कि पाकिस्तान के पास अब कोई दूसरा उपाय नहीं बचा है, सिवाय इसके कि वह अपने लोगों का ध्यान भटकाने के लिए पुराने और साम्प्रदायिक मुद्दों को उछाले।

बलूचिस्तान में अलगाववाद की लपटें तेज होती जा रही हैं, और वहां के लोग पाकिस्तानी सेना और सरकार के खिलाफ खुलेआम विद्रोह कर रहे हैं। बलूच विद्रोहियों ने हाल ही में पाकिस्तानी सेना के कई ठिकानों पर हमले किए हैं, जिससे पाकिस्तान के भीतर की अस्थिरता को और भी बढ़ावा मिला है। जनरल मुनीर का यह कहना कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का अभिमान है और कोई इसे नहीं छीन सकता, इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उन्हें बलूचिस्तान की स्थिति को लेकर गंभीर चिंता है। पाकिस्तान के भीतर के लोग यह सवाल कर रहे हैं कि आखिर कब तक कश्मीर के नाम पर उन्हें गुमराह किया जाएगा, जब उनके घरों में रोटियां पकने की स्थिति नहीं है? यह सवाल पाकिस्तान की युवा पीढ़ी में और सोशल मीडिया पर गहराई से उठ रहा है, जहां सेना की आलोचना अब आम बात हो गई है। कई लोग खुलकर कह रहे हैं कि भारत के साथ फिर से मिल जाना ही बेहतर होता, जो एक संकेत है कि पाकिस्तान में अब लोग अपनी असल समस्याओं के बारे में गंभीर हो रहे हैं।

जनरल मुनीर ने अपने भाषण में विदेशों में बसे पाकिस्तानियों से अपील की कि वे अपने बच्चों को यह सिखाएं कि पाकिस्तान क्यों बना और हिंदू और मुसलमान कभी एक जैसे नहीं हो सकते। उनका यह बयान पाकिस्तान की संस्कृति और पहचान को हिंदुओं से श्रेष्ठ बताने वाला था, जबकि आज की वैश्विक दुनिया में यह सोच पूरी तरह से अप्रासंगिक हो चुकी है। टू नेशन थ्योरी, जिसकी नींव पर पाकिस्तान बना था, वह 1971 में ही धराशायी हो गई थी, जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान से अलग होकर अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की थी। यह विभाजन यह साबित करता है कि धर्म के आधार पर बनी राष्ट्र की अवधारणा टिकाऊ नहीं हो सकती, और पाकिस्तान की असफलता इस सिद्धांत का प्रमाण बन चुकी है।

आज बलूच, सिंधी और पख्तून समुदाय भी अपनी अस्मिता की लड़ाई लड़ रहे हैं, और यही पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा है। जनरल मुनीर को यह डर सता रहा है कि अगर उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ नफरत का एजेंडा नहीं चलाया, तो पाकिस्तान की नई पीढ़ी उनसे सवाल पूछेगी। इसलिए वह कमजोर और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को एक बार फिर दुश्मन के तौर पर पेश कर रहे हैं, जबकि पाकिस्तान में बचे–खुचे हिंदू समुदाय की स्थिति बेहद दयनीय है। 1947 में पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी 23 प्रतिशत थी, जो आज घटकर महज 3 प्रतिशत रह गई है। या तो वे पलायन कर गए, मारे गए, या फिर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर कर दिए गए। फिर भी, जनरल मुनीर को इनसे डर क्यों लगता है? क्योंकि वह जानते हैं कि यदि नफरत का यह माहौल समाप्त हो गया, तो पाकिस्तान के सत्ता ढांचे की बुनियाद हिल जाएगी।

पाकिस्तान की मशहूर सीरीज जिंदगी गुलजार है में भी यह दिखाया गया था कि पाकिस्तान में हिंदुओं को किस प्रकार हाशिए पर रखा जाता है, और यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति बहुत खराब है।

खतरे में खाद्य और जल सुरक्षा

—ज्ञानेन्द्र रावत—

ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना वैश्विक जलवायु संकट का गंभीर संकेत है। यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 के अनुसार, यदि यह प्रक्रिया यूं ही जारी रही तो इसके परिणाम विनाशकारी होंगे। इससे दो अरब से अधिक लोगों को पानी और भोजन की भारी किल्लत झेलनी पड़ सकती है। ग्लेशियर पृथ्वी के जल चक्र को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, और इनके पिघलने से नदियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पर्वतीय क्षेत्रों में घटती बर्फबारी पूरी दुनिया की खाद्य और जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। दुनिया में मौजूद 2.75 लाख से अधिक ग्लेशियरों का सात लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीन वर्षों से नुकसान देखा गया है, जिनमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं। कोलोराडो नदी का सूखना इस संकट की भयावहता को दर्शाता है। यूनेस्को के अनुसार, दुनिया के 70 फीसदी पेयजल का स्रोत ग्लेशियर ही हैं और इनके विलुप्त होने से जल संकट और भी विकराल हो सकता है।

नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के शोध के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक आर्कटिक और अंटार्कटिका की बर्फ में लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी आ चुकी है। वर्तमान में वहां केवल 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ शेष रह गई है, जो 2017 के रिकॉर्ड निचले स्तर से भी कम है। वर्ष 2000 से 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से हर साल करीब 270 अरब टन बर्फ पिघल रही है, जो वैश्विक आबादी द्वारा 30 वर्षों में उपयोग किए जाने वाले पानी के बराबर है। नासा के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट के अनुसार, अगली गर्मियों में और भी कम बर्फ बचने की आशंका है। इसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों द्वारा तापमान में हुई वृद्धि है, विशेषकर जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से। जैसे–जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, ग्लेशियर बनने की तुलना में कहीं अधिक तेजी से पिघलते हैं, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। यह संकट केवल बर्फ के खत्म होने का नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का संकेत है।

सरकारी रिपोर्टों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण अलग–अलग दरों से तेजी से पिघल रहे हैं। यह न केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत है, बल्कि दक्षिण एशिया की लगभग 160 करोड़ आबादी के लिए जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ा रहा है। करीब 33,000 वर्ग किलोमीटर में फैले ये ग्लेशियर ताजे पानी के विशाल भंडार हैं, जिन पर गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों की जलापूर्ति निर्भर करती है। इन्हें 'एशिया की जल मीनार' और 'दुनिया का तीसरा ध्रुव' कहा जाता है। बीते 40 वर्षों में 440 अरब टन बर्फ हिमालय से पिघल चुकी है, और केवल वर्ष 2010 में ही 20 अरब टन बर्फ का नुकसान हुआ। यह स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि यदि वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो सदी के अंत तक एक–तिहाई और यदि यह वृद्धि 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचती है तो दो–तिहाई हिमालयी ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने चेतावनी दी कि नेपाल के पहाड़ों से एक–तिहाई बर्फ पहले ही खत्म हो चुकी है। भारत और चीन जैसे प्रमुख कार्बन उत्सर्जकों के बीच बसे इस क्षेत्र में नेपाल के ग्लेशियर 65 फीसदी तक पिघल चुके हैं, और अगर यही हाल रहा तो हिंदूकुश–हिमालय क्षेत्र के 75 फीसदी ग्लेशियर इस सदी के अंत तक नष्ट हो सकते हैं। ग्लेशियरों के इस संकट से यह स्पष्ट है कि अब समय शब्दों का नहीं, कार्यों का है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करना, वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करना और जल स्रोतों को संरक्षित करना मानवता की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। आर्यभट्ट प्रेक्षण एवं विज्ञान शोध संस्थान नैनीताल एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्ययन से पता चला है कि हिमालय में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों का बढ़ता उपयोग है, विशेषकर वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण। हिमालयी क्षेत्र अब शहरीकरण और जनसंख्या दबाव से जूझ रहा है। वहीं, ग्लोबल वार्मिंग से पिघलते ग्लेशियरों के कारण बन रही झीलें गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही हैं। इसरो के अनुसार, हिमालय की 2,432 ग्लेशियर झीलों में से 672 का आकार तेजी से बढ़ रहा है, जिनमें भारत की 130 झीलें संभावित टूटने के कगार पर हैं। यह स्थिति आने वाली भीषण प्राकृतिक आपदाओं का संकेत है।

हिन्दू संगठनों ने फूंका ममता बनर्जी का पुतला, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—श्रावस्ती। हिन्दू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंका। साथ ही राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। हिंदुओं के पलायन को रोकने व ममता सरकार को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने की मांग की।

वक्फ संशोधन बिल के विरोध की आड़ में पूरे पश्चिम बंगाल में हिंसा फैली हुई है। आक्रांताओं की ओर से हिन्दुओं के घर, दुकाने चलाए जा रहे हैं। जिसके चलते हिन्दू समुदाय के लोग पलायन करने को मजबूर हैं। इस हिंसा को लेकर पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। इसी क्रम में शनिवार को श्रावस्ती में विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन जुलूस निकाला और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला जलाया। साथ ही कलेक्ट्रेट पहुंच कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट संजय कुमार को सौंपा। विहिप विभाग मंत्री अजय जायसवाल ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून का विरोध करने की आड़ में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। ममता सरकार राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी तत्वों को निर्बाध रूप से अपने षडयंत्रों को क्रियान्वित करने की खुली छूट दे रखी है। मुर्शिदाबाद से प्रारम्भ हुई हिंसा अब संपूर्ण बंगाल में फैल चुकी है। उन्मादी जिहादी भीड़ ने हिंदुओं के 200 से अधिक घरों और दुकानों को लूट कर जला दिया। सैकड़ो हिंदुओं को बुरी तरह घायल किया व तीन नागरिकों की निर्मम हत्या की गई। जिसके चलते 500 से अधिक हिंदू परिवारों को मुर्शिदाबाद से पलायन करना पड़ा है। यह कृत्य देश का हिन्दू बर्दाश्त नहीं करेगा।

लोगों ने मांग की कि ममता सरकार भारत का बर्खास्त किया जाय। साथ ही बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। हिंसा की जांच एनआईए से कराई जाय। बंगाल की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बलों को सौंपा जाय। बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से निकाला जाय। इस मौके पर विभाग मंत्री अजय जयसवाल के साथ ही जिला मंत्री कृष्ण देव सिंह, सुरेश गुप्ता, संदीप कसौंधन, देवेंद्र सिंह, विशाल श्रीवास्तव, अमित कुमार सिंह, वीरेंद्र विश्वकर्मा, रमेश गुप्ता, कमलेश सिंह, आयुष प्रताप सिंह, आशीष आर्या आदि मौजूद रहे।

भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुई सभासद

संवाददाता—श्रावस्ती। भिनगा नगर पालिका की वार्ड संख्या 9 सिविल लाइन वार्ड की रिक्त हुई सीट पर उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी शोभा कुमारी निषाद निर्विरोध निर्वाचित हुईं। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ मिश्रीलाल वर्मा व निर्वाचित प्रत्याशी ने तहसील में प्रमाण पत्र प्राप्त किया। भिनगा नगर पालिका भिनगा के वार्ड नं 9 सिविल लाइन में सभासद पद के लिए उप चुनाव कराया गया। जिसमें सपा और एक निर्दलीय प्रत्याशी ने नामांकन कराया था। लेकिन जांच के दौरान सपा और निर्दलीय प्रत्याशी का नामांकन तकनीकी कमियों के कारण निरस्त कर दिया गया था। इसलिए भाजपा प्रत्याशी का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया था। शनिवार को रिटर्निंग आफीसर ने शोभा कुमारी निषाद को निर्विरोध निर्वाचित घोषित करते हुए जीत का प्रमाण पत्र दिया। भिनगा तहसील में जिलाध्यक्ष भाजपा डॉ मिश्रीलाल की उपस्थिति में भाजपा समर्थित प्रत्याशी शोभा कुमारी निषाद ने जीत का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। प्रमाण पत्र मिलने के बाद जिलाध्यक्ष डॉ मिश्रीलाल वर्मा के नेतृत्व में विजयी प्रत्याशी शोभा कुमारी निषाद, मण्डल अध्यक्ष भिनगा नगर वीरू श्रीवास्तव, पूर्व मण्डल अध्यक्ष विनोद साहू व कार्यकर्ताओं के साथ नगर में जुलूस के साथ निकले। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी, अरुण पाण्डेय, जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, मण्डल अध्यक्ष हरिहरपुर रानी अंकित निषाद तथा दर्जनों कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

टेंट हाउस के गोदाम में लगी आग लाखों का सामान जला

संवाददाता—महराजगंज। ...ाानी क्षेत्र में स्थित सिकंडा मंदिर चौराहे पर एक बड़ी अग्निकांड की घटना सामने आई।जिसमें आर.के. टेंट हाउस के गोदाम में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। टेंट हाउस के मालिक राम कुमार विश्वकर्मा के अनुसार, गोदाम में कुर्सी, मेज, मैट, गद्दा, शामियाना और बर्तन जैसा कीमती सामान रखा था। गोदाम से धुआं निकलने पर परिवार के सदस्य बाहर निकल आए। स्थानीय ग्रामीणों और आसपास के लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया। फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक गोदाम में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो चुका था।

स्कूल में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म, बंगाली शिक्षक ने वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल, पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता—कुशीनगर। मैं कोचिंग के लिए स्कूल जल्दी पहुंची गयी तो कोचिंग के टीचर ने मुझे अपने स्कूल में ही स्थित अपने आवास में बुलाया। मेरे साथ जोर जबरदस्ती की और विडियो बनाया। मुझे धमकाया की अगर बुलाने पर नहीं आई तो वीडियो मां बाप को तुम्हारे दिखा दूंगा। उसके बाद कई बार सर जी ने मेरे साथ संबंध बनाए। उसने कहा कि वह वह बंगाल का रहने वाला है और शादी करेगा।

यह कहना है एक निजी स्कूल में पढ़ाने वाले 7वीं कि 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा का। जिस के साथ उसी के स्कूल के 42 वर्षीय शिक्षक ने रेप किया। पश्चिम बंगाल के रहने वाले श्याम मंडल नाम के शिक्षक ने विशुनपुरा इलाके में स्थित राधा कृष्ण इंटरमीडिएट कॉलेज में एक साल से पढ़ा रहा था। जहां कोचिंग में आई पीड़िता को पहले अपने झांसे में लिया। वह उसके साथ 8 महीने से उसके साथ संबंध बना रहा था। उसका वीडियो बनाया। धमकी दी अगर किसी को बताया तो वायरल कर दूंगा।

पीड़िता के पिता ने बताया— आरोपी ने उनकी बेटी का मोबाइल नंबर लेकर उससे बात करना शुरू किया। बाद में उसने मां—पिता के नंबर भी ले लिए। आरोपी ने पीड़िता से बताया कि उसका घर बंगाल में है और वो उससे शादी भी करेगा। जानकारी के मुताबिक करीब चार महीने पहले भी शिक्षक पर कुछ आरोप लगा था, जिसके बाद उसे स्कूल से हटा दिया गया, लेकिन वह फिर भी स्कूल में रहता और मेरे घर आता—जाता रहता था। इन दिनों वह अपने गांव गया था।

पीड़िता के पिता ने बताया कि आरोपी ने उनकी बेटी का मोबाइल नंबर लेकर उससे बात करना शुरू किया। आरोपी ने उनकी बेटी का मोबाइल नंबर लेकर उससे बात करना शुरू किया। मामला तब सामने आया, जब शिक्षक ने पीड़िता के पिता को फोन किया। संदेह होने पर पिता ने पत्नी से पूछताछ की, तब बेटी ने रोते हुए पूरी घटना बताई। जब उसकी करतूत जान गया तो बेटी ने कहलवाया की वो घर से भाग निकली है लेने आओ। 16 अप्रैल को टीचर उसे लेने के लिए वह बिहार बार्डर आया। जहां से बंगाल ले जाकर बेटी को बेचने की तैयारी में था। लेकिन बेटी के साथ पिता और मां ने आरोपी को ...र दबोचा और पुलिस को सौंपा।

पीड़िता की मां ने बताया कि मेरी बेटी के साथ बंगाल के रहने वाले 42 वर्षीय मास्टर ने ही रेप किया। छोटी बेटी पर भी बुरी नजर रखता था, छेड़छाड़ भी किया। जब मुझे पता चला तो मैं उसे पकड़वाकर पुलिस को दिया। लेकिन स्कूल के प्रिंसिपल ने पैसे पुलिस को दे दिए हैं, जिसके वजह से पुलिस ने आरोपी शिक्षक को थाने में बैठाए रखी है जेल नहीं भेज रही। तीन दिन से उल्टे मुझे धमकी दी जा रही। बड़े विश्वास से बच्चों को स्कूल भेजते हैं, लेकिन वहां ही ऐसा किया गया। जब थाने पर गया तो न्याय नहीं मिला तो अब पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई हूं।

इस मामले को हाईलाइट होता देख पुलिस ने मामले में 18 अप्रैल को आरोपी शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अब आगे की कार्रवाई में जुटी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सीओ तमकुहीराज अमित सक्सैना ने बताया कि इस मामले में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा चला बुलडोजर

संवाददाता—गोंडा। जिले में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। मनकापुर तहसील के बरसैनिया लखपतराय गांव में खलिहान की भूमि से अवैध कब्जा हटाया गया। तहसीलदार सत्यपाल सिंह के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में बुलडोजर से आधा दर्जन अस्थाई निर्माण तोड़े गए। इन निर्माणों में स्नानघर और नल की बाउंड्री वॉल शामिल थी। प्रशासन ने पहले कई बार नोटिस जारी की थी। कब्जाधारियों को कई बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन वे नहीं माने। इस कार्रवाई के बाद खलिहान की भूमि पूरी तरह से अवैध कब्जा मुक्त हो गई है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अगर कोई दोबारा सरकारी जमीन पर कब्जा करेगा तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई का असर यह हुआ कि कई लोगों ने खुद ही अपने अस्थाई निर्माण हटा लिए हैं। क्षेत्र में अवैध कब्जा करने वालों में अब डर का माहौल है। खलिहान की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा होने के चलते ग्रामीणों को दिक्कत हो रही थी जिसको लेकर ग्रामीणों ने गोंडा डीएम से शिकायत की थी। मनकापुर तहसीलदार सत्यपाल सिंह ने बताया कि आज अवैध कब्जा हटवा करके खलिहान की भूमि खाली करवा दी गई है दोबारा कोई कब्जा करेगा तो कार्रवाई होगी।

सभी ब्लाकों में कैंप लगा कर चिन्हित किए जाएंगे दिव्यांग, मिलेंगे उपकरण

संवाददाता—श्रावस्ती। दिव्यांगजनों को उपकरण देने के लिए सभी ब्लाकों में कैंप लगा कर पंजीकरण किया जाएगा। इसके बाद जिला स्तर पर मेगा कैंप लगा कर उपकरण वितरित किए जाएंगे। सोमवार से कैंप का शुभारंभ किया जाएगा। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र एवं कानपुर स्थित एल्मको कंपनी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कैंप का शुभारंभ नीति आयोग के नोडल अधिकारी धीरेन्द्र साहू सोमवार को करेंगे। पहला कैंप सोमवार 21 अप्रैल को संयुक्त जिला अस्पताल में स्थित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में लगेगा। जबकि दूसरा कैंप 22 अप्रैल हरिहरपुररानी में ब्लाक सभागार में, तीसरा कैंप 23 अप्रैल को सिरसिया ब्लॉक सभागार में, चौथा कैंप 24 अप्रैल को जमुनहा ब्लॉक सभागार में, पांचवां कैंप 25 अप्रैल को इकौना ब्लाक सभागार में एवं अंतिम व छठा कैंप 26 अप्रैल को गिलौला ब्लाक सभागार में आयोजित किया जायेगा। इन कैंपों में दिव्यांग जनों की आवश्यकता का चिन्हीकरण करके पंजीकरण किया जाएगा। इसके बाद आवश्यक सामग्री का निःशुल्क वितरण जून माह में किया जायेगा। यह पूरी प्रक्रिया निःशुल्क रहेगी तथा प्रत्येक दिव्यांगजन को परीक्षण के उपरांत एक पावती भी दी जायेगी जिसके आधार पर उन्हें उपकरण दिए जाऐंगे।

डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि दिव्यांगजनों व बुजुर्गों की सहायता के लिए रेडक्रॉस सोसायटी व एल्मिको के माध्यम से लगातार कार्य किया जा रहा है। सबसे ज्यादा मांग में रहने वाली मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल के लिए दिव्यांग प्रतिशत 80 होना चाहिए। जिनके हाथ या पैर नहीं है उनका भी मापन किया जायेगा और उन्हें कृत्रिम हाथ पैर लगाये जायेंगे। रेडक्रॉस सचिव व डीडीआरसी संचालक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि दिव्यांगजनों की चिन्हीकरण प्रक्रिया कंप्यूटर आधारित पूर्णतयरू निःशुल्क है। लाभार्थी को अपना आधार कार्ड, यूडीआइडी व आय प्रमाण पत्र साथ लाना है। आय प्रमाण पत्र न होने की स्थिति में कैंप स्थल पर ही एक दिन का आय प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा जो कैंप तक ही मान्य रहेगा। जिन दिव्यांगजनों को तीन वर्ष के अंदर एल्मिको से कोई उपकरण मिल चुका है उन्हें दोबारा नहीं प्राप्त होगा। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए 8354869590 पर सुबह 10 बजे से सायं 4 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

सशस्त्र सीमा बल भिनगा में सैनिक सम्मेलन का आयोजन

संवाददाता—श्रावस्ती। एसएसबी कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के नेतृत्व में वाहिनी मुख्यालय में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में भारत—नेपाल सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। कमांडेंट ने जवानों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए शारीरिक गतिविधियों और खेलकूद को अपनी दिनचर्या में शामिल करने पर विशेष जोर दिया।

इसके साथ ही मोटे अनाज के उपयोग की अपील की। वहीं अलावा नेपाल सीमा पर प्रभावी संचार के लिए जवानों को नेपाली भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सम्मेलन के दौरान जवानों की समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया। कमांडेंट ने सभी जवानों को कर्तव्य परायणता और अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उप कमांडेंट निरुपेश कुमार, पीयूष सिन्हा सहित अन्य अधिकारी व जवान मौजूद रहे।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर विश्व हिंदू परिषद ने राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—कुशीनगर। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून को लेकर हुई हिंसा का मामला सामने आया है। विश्व हिंदू परिषद ने इस संबंध में राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा है। मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा में हिंदुओं के 200 से अधिक घर और दुकानें जला दी गईं। इस हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई। कई महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं भी सामने आईं। हिंसा के बाद 500 से अधिक हिंदू परिवारों को मुर्शिदाबाद छोड़ना पड़ा। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी कुशीनगर जिलाध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी ने ज्ञापन में कहा कि यह हिंसा पूरे बंगाल में फैल रही है। स्थानीय प्रशासन दंगाइयों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहा है। कुछ जगहों पर प्रशासन दंगाइयों का समर्थन कर रहा है।

ज्ञापन में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया गया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों की मदद करने की बजाय दंगा भड़काने वाले इमामों से मुलाकात की है। विश्व हिंदू परिषद ने केंद्र सरकार से बंगाल का प्रशासन अपने हाथ में लेने की मांग की है।

ज्ञापन में कई अन्य मांगें भी की गई हैं। इनमें बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने, हिंसा की छा... जांच कराने और केंद्रीय सुरक्षा बलों को कानून व्यवस्था का जिम्मा देने की मांग शामिल है। साथ ही बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें निष्कासित करने और बांग्लादेश सीमा पर तार लगाने की मांग की गई है।

दर्जी पति के कस्टमर के साथ पत्नी फरार, कपड़ा सिलवाने के बहाने आता था युवक

संवाददाता—गोंडा। एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां चार बच्चों की मां अपने दर्जी पति के ग्राहक के साथ फरार हो गई। महिला अपनी तीन वर्षीय मासूम बेटी को भी साथ ले गई है। मामला नगर कोतवाली क्षेत्र का है, जहां पीड़ित पति ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पीड़ित रईस अहमद का आरोप है कि उसकी पत्नी नूरजहां को इकबाल काजमी नामक युवक बहला—फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इकबाल पहले उसके घर सिलाई के बहाने आता—जाता था, लेकिन अब पत्नी और बेटी दोनों लापता हैं। पति ने बताया कि दो दिन पहले पत्नी हंसी—खुशी घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी।

रईस अहमद ने बताया कि रमजान के महीने में इकबाल उनके घर पर ही ठहरा था और सिलाई के काम में मदद करता था। इसी दौरान उसकी पत्नी से नजदीकियां बढ़ीं। जब रईस को शक हुआ तो उसने पांच दिन पहले इकबाल को घर आने से मना कर दिया था। इसके बाद 17 तारीख की शाम 6 बजे से ही पत्नी और बेटी लापता हैं।

रईस ने बताया कि इकबाल की उम्र करीब 53 साल है और वह पहले से शादीशुदा है। उसकी पत्नी की मौत दो महीने पहले हुई है और उसके भी बच्चे हैं। दूसरी ओर, नूरजहां की उम्र 30 साल है। रईस ने पुलिस से अपील की है कि उसकी पत्नी और बेटी को जल्द से जल्द बरामद किया जाए और इकबाल काजमी पर सख्त कार्रवाई हो।

नगर कोतवाल विवेक कुमार त्रिवेदी ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। हालांकि रिपोर्ट में किसी व्यक्ति का नाम नहीं है, फिर भी पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। महिला और बच्ची की तलाश जारी है। पत्नी और बेटी के जाने से रईस अहमद पूरी तरह टूट चुका है। घर पर तीन छोटे—छोटे बच्चों का रो—रो कर बुरा हाल है। रईस ने मीडिया से बातचीत में कहा, "हमारी बस यही फरियाद है कि हमारी बीवी और बच्ची हमें वापस मिल जाएं और जिसने यह सब किया है, उसे सजा मिले। इस घटना ने पूरे मोहल्ले में सनसनी फैला दी है और लोग तरह—तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। पुलिस की जांच में अब यह देखना होगा कि महिला अपनी मर्जी से गई है

सपा का विरोध प्रदर्शनः कानून व्यवस्था और दलित उत्पीड़न के मुद्दे पर डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—बलरामपुर। समाजवादी पार्टी ने शनिवार को प्रदेश की कानून व्यवस्था और दलित उत्पीड़न के खिलाफ पैदल मार्च निकाला। विधायक गैंसड़ी राकेश यादव और पूर्व विधान परिषद प्रत्याशी डॉ. भानु त्रिपाठी के नेतृत्व में निकले मार्च की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ. माणिक लाल कश्यप ने की। जिला कार्यालय से शुरू हुआ पैदल मार्च जिलाधिकारी कार्यालय तक पहुंचा। कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाते हुए राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। श्रावस्ती सांसद श्री राम शिरोमणि वर्मा ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी संरक्षण में अराजक तत्व दलितों और कमजोर वर्गों को निशाना बना रहे हैं। विधायक राकेश यादव ने कहा कि सत्ता समर्थित गुंडे खुलेआम हथियार लहरा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। डॉ. भानु त्रिपाठी ने पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी पर ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक द्वेष से प्रेरित बताया। प्रदर्शन में संगठन प्रभारी विनोद श्रीवास्तव, पूर्व विधायक राम सागर अकेला समेत कई नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पिकअप से 6 गोवंश बरामद ,तीन गो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता—देवरिया। भाटपार रानी पुलिस ने शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई में गौ तस्करी का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने फुलवरिया चौराहा से चनुकी रोड पर करमा बाबा के पास से एक पिकअप वाहन से 6 गोवंशीय पशुओं को बरामद किया। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर के निर्देश पर चल रहे अभियान के दौरान मुखबिर से संदिग्ध वाहन की सूचना मिली। पुलिस को देखकर पिकअप (न्ह 50 ठ्ज 3423) चालक भागने लगा। भागने के दौरान वाहन सड़क किनारे खंभे से टकरा गया। इस दौरान तीनों आरोपी भागने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया।

पकड़े गए आरोपियों में आजमगढ़ के वसीम अहमद, जीशान अहमद और सहबान शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे गोवंशीय पशुओं को बिहार ले जा रहे थे। थानाध्यक्ष नंदा प्रसाद के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पिकअप वाहन को जब्त कर लिया गया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

लोगों को जागरुक करने के लिए चलाएं अभियान

संवाददाता—गोंडा। लोक अदालत के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए अभियान चलाकर पात्रों को लोक अदालत का लाभ दिलाया जाए। जिससे इसका उद्देश्य पूरा हो सके। ये निर्देश राष्ट्रीय लोक अदालत की नोडल अधिकारी अपर जिला जज नम्रता अग्रवाल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जिला जज दानिश हसनैन ने सिविल कोर्ट के वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष में आयोजित बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को दिये है। नोडल अधिकारी व सचिव ने सभी अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा मामले चिन्हित करने एवं उनके निस्तारण के लिए हर प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिया है। बैठक में एडीएम आलोक कुमार, एएसपी राधेश्याम राय, सीएमओ डा. रश्मि वर्मा, एसडीएम सदर अशोक कुमार गुप्ता, बीएसए अतुल कुमार तिवारी, डीपीआरओ लालजी दूबे सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। एडीजे ने बताया कि 10 मई को साल की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होना है।

शादी समारोह में सफाई करने गए कर्मचारियों से मारपीट

संवाददाता—महराजगंज। सुभाष नगर वार्ड में एक शादी समारोह के दौरान सफाई कर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। नगर पालिका के दो सफाई कर्मी शादी समारोह स्थल पर सफाई कार्य के लिए तैनात किए गए थे। शनिवार को दोपहर में जब सफाई कर्मी अपना काम कर रहे थे, तब शादी वाले घर के लोगों ने उनके साथ गाली—गलौज शुरू कर दी। सफाई कर्मियों द्वारा विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना से आक्रोशित सफाई कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने जुलूस निकाला और नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कुछ समय के लिए गोरखपुर मार्ग छ—730 को जाम कर दिया। स्थानीय लोगों की समझाइश के बाद सफाई कर्मियों ने नगर चौकी में शिकायत दर्ज कराया। चौकी प्रभारी धीरज जायसवाल ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन, डीएम—एसपी ने सुनी समस्याएं

संवाददाता—बलरामपुर। शनिवार को तहसील सदर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मौके पर निपटाए जा सकने वाले मामलों को तुरंत सुलझाया जाए। भूमि विवाद और कानून—व्यवस्था से जुड़े मामलों के लिए राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर जांच का निर्देश दिया गया। डीएम ने चेतावनी दी कि शिकायतों के समाधान में लापरवाही या गलत रिपोर्टिंग पर कड़ी कार्रवाई होगी। कार्यक्रम में अधिशासी अभियंता विद्युत की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए उनका एक दिन का वेतन रोकने का आदेश दिया।

राष्ट्रीय एकता का प्रतिबिंब पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ

संवाददाता—गोंडा। शहर के एलबीएस पीजी कॉलेज में शनिवार को हिन्दी विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के संयुक्त तत्वाधान में वसुधैव कुटुम्बकम का महाविज्ञान राष्ट्रीय एकता का प्रतिबिंब विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवि शंकर सिंह ने की। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी एवं पत्रकारिता विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध साहित्यकार प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित और विशिष्ट अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुई। प्राचार्य प्रो. रविंद्र कुमार पांडे ने संगोष्ठी की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए महाकुंभ 2025 के राष्ट्रीय प्रभाव का बौद्धिक मूल्यांकन बताया। प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने कुंभ की सांस्कृतिक परंपरा, धार्मिक आधार और वैश्विक महत्व पर विस्तृत व्याख्यान दिया। प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति पुनर्नवा है और महाकुंभ उसकी जीवंत अभिव्यक्ति है। उन्होंने बताया कि इस बार 74 देशों के प्रतिनिधियों ने कुंभ स्नान में भाग लेकर भारत की सांस्कृतिक शक्ति को विश्व मंच पर उजागर किया।

संगोष्ठी संयोजक प्रो. शैलेन्द्र नाथ मिश्र ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रो. दीक्षित को "महागुरु" की संज्ञा दी है। डॉ. मुक्ता टंडन ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय— महाविद्यालय संघ के अध्यक्ष डॉ. जनमेजय तिवारी, प्रो. जितेंद्र सिंह, डॉ. नीरज पांडेय, डॉ. शालिनी शुक्ला, प्रो. जयशंकर तिवारी, प्रोफेसर जयशंकर तिवारी, प्रो. बीपी सिंह, प्रो. रंजन शर्मा, प्रो. वीसीएच एनके श्रीनिवास राव, प्रो. संदीप श्रीवास्तव, प्रो. शिव शरण शुक्ला, प्रो. मंशाराम वर्मा, डॉ. रेखा शर्मा, डॉ. चमन कौर सहित अन्य रहे।

तेज बारिश हो रही थी, खुद छाता हाथ में थामे पहुंचे सीएम योगी, 300 लोगों की सुनीं समस्याएं

संवाददाता—गोरखपुर। शनिवार सुबह तेज बारिश के कारण एक बार यह लगा था कि शायद इतने प्रतिकूल मौसम में जनता दर्शन कार्यक्रम न हो पाए। पर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार ने ऐसी आशंका को निर्मूल सिद्ध कर दिया। तेज बारिश के बावजूद सीएम योगी ने जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। जनता दर्शन का आयोजन सुनिश्चित कराने के साथ ही उन्होंने करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और इन समस्याओं के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतोषजनक निस्तारण के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर प्रवास पर होने के चलते शनिवार सुबह कई लोग जनता दर्शन में शामिल होने पहुंचे थे। पर, तेज बारिश के कारण उन्हें यह आशंका थी कि शायद उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से न हो पाए। पर, मुख्यमंत्री ने प्रतिकूल मौसम को देखते हुए लोगों के बैठने की व्यवस्था महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कराई।

इस दौरान उन्होंने 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया सबकी समस्या का निस्तारण करना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने पाएगा। सीएम ने लोगों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र लेकर उसे अधिकारियों की इस निर्देश के साथ हस्तगत किया कि समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने आत्मीयता से सभी लोगों को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि किसी की चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी।

उन्होंने पुलिस व राजस्व से जुड़े मामलों में कार्रवाई करने में अनावश्यक विलंब न होने की हिदायत दी तो जमीन कब्जा करने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए दबंग और भू माफिया पर नकेल कसने के निर्देश दिए। पुलिस से जुड़े कुछ मामलों पर मुख्यमंत्री ने कहा प्राथमिकी दर्ज करने और उसके बाद विधिक कार्यवाही में कोताही नहीं होनी चाहिए। घरेलू विवाद के मामले में उन्होंने परस्पर संवाद से समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

हर बार की भांति इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा।

जनता दर्शन में समस्या लेकर आई आंशिक रूप से शारीरिक अक्षमता की शिकार कर महिला और उसके साथ बच्चे को देखकर मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इनकी समस्या का निस्तारण कराओ और इन्हें चाय भी पिलाओ। इस दौरान कुछ अन्य लोगों के साथ आए उनके बच्चों को सीएम योगी ने प्यार, दुलारकर आशीर्वाद दिया। उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दिया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह तेज बारिश का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। खराब मौसम में भी वह गुरु गोरखनाथ का दर्शन—पूजन और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद मंदिर परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने निकले।

मुर्शिदाबाद हिंसा का लेकर विहिप और बजरंग दल का प्रदर्शन

संवाददाता—गोरखपुर। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर विश्व हिन्दू परिषद की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी तत्वों को तत्व अपने षड्यंत्रों को क्रियान्वित करने की खुली छूट दी जा रही है। पूरे प्रकरण की एनआईए से जांच होनी चाहिए।

संत शैलेश और संजय महाराज के नेतृत्व में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को ममता सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पदाधिकारियों ने डीएम कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को प्रेषित किया। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री राजेश ने सवाल किया कि विरोध प्रदर्शन तो देश भर में होते हैं लेकिन, हिंसा और हिंदुओं पर हमले व्यापक पैमाने पर बंगाल में ही क्यों होते हैं? उन्होंने मुर्शिदाबाद की संपूर्ण घटना की एनआईए से जांच की मांग की।

परिषद के विभाग मंत्री शीतल एवं विभाग बजरंग दल संयोजक विनोद मिश्र ने कहा कि मुर्शिदाबाद से मालदा में निर्वासित जीवन जीने को मजबूर हिंदू समाज की दुखती रग पर मरहम लगाने या उन्हें सांत्वना देने की बात तो दूर, इनकी सहायता को आए समाज सेवी संगठन को पीड़ितों तक नहीं पहुंचने दिया गया। इस दौरान प्रांत प्रचार प्रमुख दुर्गेश त्रिपाठी, विष्णु प्रताप, सूर्यनाथ सिंह, पूर्व महापौर डॉ. सत्या पांडेय, अमिता, सोमेश आदि उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. इण्टर मीडिएट वर्ष **2012** अनुक्रमांक **2676634** का अंक पत्र, सह अंक पत्र, मूल प्रमाण—पत्र (सनद) वास्तव में खो गया है।

(नबी रहम)
पुत्र मुर्तजा हुसेन
ग्राम— जंगल बेलहर
पोस्ट— बेलहर
जनपद संतकबीर नगर(उ.प्र.)

उद्घोषणा

थाना वाल्टरगंज जिला बस्ती उ0प्र0 के मु0अ0सं0 165/24 धारा 406/420, 506 IPC में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त रवि पुत्र श्याम बिहारी निवासी ग्राम— साकिन गनेशपुर (दक्षिण द्वारा) थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती (उ.प्र.) के खिलाफ मा0 न्यायालय J.M. प्रथम कोर्ट संख्या 22 बस्ती द्वारा दिनांक 28—01—2025 को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने हेतु उद्घोषणा जारी की गई थी किन्तु रवि पुत्र श्याम बिहारी उपस्थित नहीं हुये जिस पर सीआरपीसी की धारा 83 के तहत कार्यवाही की जानी है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-चनईपुर वि0ख0 गौर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025—26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 20—04 2025 से 28—04—2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 28—04—2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 02.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समसिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा—गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें— सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0—50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(सुधा देवी) ग्राम प्रधान   **(अवधेश कुमार)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /18.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025—26

खेत में पड़ी मिली किसान की लाश

संवाददाता—अयोध्या। बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के बंदे अली का पुरवा तोरो माफी गांव में 45 वर्षीय किसान राम तीरथ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव शनिवार की सुबह उनके गेहूं के खेत में मिला। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है, और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पत्नी माया देवी ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 1 बजे एक चार पहिया वाहन में सवार कुछ लोग राम तीरथ को बुलाने आए थे। उनके बुलावे पर राम तीरथ घर से निकले, लेकिन वापस नहीं लौटे। सुबह ग्रामीणों ने उनकी मौत की खबर दी। माया देवी के अनुसार, राम तीरथ को कोई गंभीर बीमारी नहीं थी, जिससे उनकी मौत का कारण समझना मुश्किल हो रहा है।

ग्रामीण विजय बहादुर ने सुबह खेत की जुताई के दौरान राम तीरथ को मुंह के बल पड़ा देखा। उन्होंने तुरंत अन्य ग्रामीणों और मृतक के परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटनास्थल पर तीन—चार प्लास्टिक के गिलास मिले, जिससे पुलिस को शराब पीने की आशंका है। हालांकि, शव पर कोई स्पष्ट चोट के निशान नहीं मिले हैं।

बीकापुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य एकत्र किए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा, ष्मौत का सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लग रहा है, और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी बीकापुर पियूष पाल भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर घटना की जानकारी ली और फॉरेंसिक टीम को जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए। राम तीरथ के परिवार में उनकी पत्नी माया देवी के अलावा चार बच्चे हैं। बड़ी बेटी अनामिका (22) राजस्थान में रहती है, जबकि बड़ा बेटा अक्षय (20) मुंबई में मजदूरी करता है। छोटे बच्चे आदित्य (13) और आराध्या (8) घर पर ही रहते हैं। राम तीरथ की मौत से परिवार सदमे में है, और गांव में मातम का माहौल है।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय—श्रीमान अपर जिला जज पाक्सो एक्ट बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं. 125/2024
विमला सिंह
बनाम
परियोजना निदेशक आदि
बनाम—1— परियोजना निदेशक परियोजना कार्यान्यवन इकाई राप्ती नगर फेज 4 गोरखपुर 2. सक्षम प्राधिकारी राज्य मार्ग/विशेष भूमि अध्याप्ति —अपर जिलाधिकारी बस्ती 3. उत्तर प्रदेश सरकार जरिये जिलाधिकारी बस्ती
तारीख पेशी 28—04—2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 04 के 28 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत—श्रीमान नवम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद 428/2023
जगन्नाथ
बनाम
जटाशंकर आदि
1/1 रबि आयु करीब 35 साल 1/2 बम्बू आयु करीब 32 साल पुत्रगण जटाशंकर 1/3 श्रीमती आयु करीब 65 साल विधवा जटाशंकर 2. दयाशंकर आयु करीब 38 साल पुत्र लल्लन निवासीगण ग्राम पकड़ी संग्राम तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती हाल मुकाम मलौली गोसाई तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती
तारीख पेशी 08—05—2025

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 08 माह 05 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 19 माह 04 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0— C 202417000001318
अदालत— श्रीमान आयुक्त बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मुरली आदि
बनाम
रामफेर आदि
1. रामफेर 2. रामलौट पुत्रगण भागीरथी 3. रामभेज 4. रामधनी पुत्रगण राम आसरे 5. रामबहोर पुत्र बदलू 6. राम सागर 7. राजाराम पुत्रगण राम उजागिर 8. दीनानाथ 9. त्रिलोकी 10. मंगल पुत्रगण सम्पा 11. शिवराम पुत्र बनारसी साकिनान मौजा भेलवल तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला—बस्ती
तारीख पेशी 07—05—2025
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 05 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 17 माह 04 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान एकादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—364/2015
रामसहाय आदि
बनाम
पतिराम आदि
1/1 रामकेवल 1/2 संजय पुत्रगण पतिराम निवासीगण ग्राम भादी बुजुर्ग तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती
तारीख पेशी 08—05—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 08 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

बारिश ने किसानों के अरमानों पर फेरा पानी

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में शनिवार की सुबह तेज हवाओं के साथ फिर जोरदार बारिश हुई। लगभग एक घंटे तक हुई बारिश ने किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया। पिछले दस दिन के अंदर गेहूं की फसलें तीन बार भीग चुकी हैं। इससे उसके खराब होने की आशंका बढ़ गई है। गेहूं की कटाई और मड़ाई कार्य में

पिछड़े हुए किसानों की मुसीबत बढ़ गई। फसल भीग गई। जिसके खराब होने का खतरा है।हालांकि हवाओं के साथ हुई बरसात के बाद मौसम ठंडा हो गया। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिल गई। पिछले दस दिनों से मौसम किसानों को खून के आंसू रुला रहा है। गेहूं कटाई के समय लगातार बूंदाबांदी और पुरवा हवा के चलते किसान अपने अनाज को सहेज नहीं पा रहे हैं। जैसे ही गेहूं मड़ाई लायक बनता है वैसे ही बारिश हो जाती है। एक दिन पहले रात में भी हल्की बारिश हुई। इसकी वजह से किसानों का गेहूं खेतों में ही रह गया। शुक्रवार को दिन में धूप निकलने के बाद किसानों ने गेहूं की फसल सुखाने के साथ कटाई कर छोड़ दिया था। शनिवार की सुबह लगभग छह बजे तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। इससे कटा हुआ गेहूं खेतों में भी गया। पिछले दिनों हुई बारिश में भीगी फसल को सुखवाने में किसानों ने जो परिश्रम किया था उस पर बारिश ने फिर पानी फेर दिया। नाथनगर ब्लाक क्षेत्र के दक्षिण इलाके में ही किसानों को ज्यादा परेशानी हो रही है। कुआंनो नदी के किनारे बसे गांवों के किसान कटाई और मड़ाई कार्य में पिछड़े हुए हैं। वहां पिछले हफ्ते बारिश के अलावा ओले भी पड़े थे। फसलों के खेत में ही भीग जाने से वे पिछड़ गए थे। अभी फसल पूरी तरह से सूखी भी नहीं और फिर बरसात हो गई। इससे किसानों की बेचैनी काफी बढ़ गई है। किसानों की फसल खेतों में पड़ी हुई है नमी के कारण कटाई और मड़ाई दोनों कार्य प्रभावित हो गई है

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—563/84
मोहर आदि
बनाम
पुष्पा आदि
3. अधिशाषी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड खलीलाबाद जिला—संतकबीर नगर 4. सरकार उ0प्र0 जरिए कलेक्ट्रर संतकबीरनगर 5. श्रीमती बेबी पत्नी सुभाष उम्र 45 वर्ष निवासी ऊनखास तप्पा ऊन परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 09—05—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—345/1999
रामराज
बनाम
कपिल देव आदि
1/1 सरललता पत्नी स्व0 हरिश्चन्द्र शुक्ला द्वारा नरेन्द्र कुमार शुक्ल मकान नं0—1214 आवास विकास कालोनी गांधी नगर 272001 उ0प्र0 1/2 उर्मिला पत्नी जग प्रसाद पाण्डेय उमा प्रीत बिला 25 एम0आर0 3 महालक्ष्मी नगर इन्दौर म0प्र0 452010 1/3 गीता पत्नी रामयज्ञ शुक्ल द्वारा दीपक शुक्ल 135 ए0 एक्सप्रेस न्यू अपार्टमेन्ट (सुपर एम0आई0जी0) नोयडा उ0प्र0 201504 1/4 सोना पत्नी दिनेश कुमार शुक्ल ग्राम भादी बुजुर्ग पोस्ट मझौवामीर जिला बस्ती उ0प्र0 1/5 तारा पत्नी नरेन्द्र कुमार शुक्ल ग्राम भादीबुजुर्ग पोस्ट मझौवा मीर जिला—बस्ती
तारीख पेशी 23—04—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 23 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—464/2015
गंगाराम आदि
बनाम
सुभावन आदि
2/1 मालती पत्नी स्व0 उदयराज 2/2 केशव 2/3 सुनील 2/4 जगदीश पुत्रगण स्व0 उदयराज 2/5 राहुल 2/6 सपना पुत्र व पुत्री स्व0 उदयराज नावलिगान ववलायत मालती माता हकीकी निवासीगण ग्राम सेखुई तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती
तारीख पेशी 06—05—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 06 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—38/2022
श्रीमती शिखा बोस
बनाम
रूद्रनरायन राय आदि
5/1 आर्या राय उम्र लगभग 18 वर्ष पुत्र अभिजीत राय 5/2 मोनिका दास पत्नी अभिजीत राय उम्र लगभग 42 वर्ष साकिनान मो0 रंजित कालोनी (खीरीघाट) मकान सं0—100 तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती पो0 गांधीनगर 2/1 मोनिका राय उम्र लगभग 67 वर्ष पत्नी विद्याशंकर राय 2/2 हिमांशु राय उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र विद्याशंकर राय 2/3 देव अशीष राय उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र विद्याशंकर राय निवासीगण खीरीघाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव पो0 गांधीनगर तहसील व जिला—बस्ती
तारीख पेशी 07—05—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 07 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0— T 202417140204177/2021
अन्तर्गत धारा 116 उ0प्र0रा0 सं0—2006
अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला—बस्ती
रामभवन
बनाम
ओम प्रकाश आदि
1. ओम प्रकाश 2. तिलकराम 3. दूजकराम पुत्रगण अलगू साकिनान मौजा पतरिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला—बस्ती 4. ग्राम पंचायत द्वारा वर्तमान ग्राम प्रधान ग्राम सभा बसडिलिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला—बस्ती
तारीख पेशी 23—04—2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com